मेघों के प्रकार

//

मेघों के प्रकार

मेघ पृथ्वी के वायुमंडल में जल की छोटी-छोटी बूँदों या बर्फ के रवों का दृश्यमान संहति (Visible Accumulation) हैं।

उच्च मेघ

पक्षाभ मेघ

- पंख के समान, पतले और बिखरे हुए
- बर्फ के रवों से निर्मित, शीतल उच्च क्षोभमंडल में निर्मित होते हैं

पक्षाभ-कपासी मेघ

- छोटे, सफेद और रोएँदार पैच (fluffy patches)
- लहरदार या छत्ते जैसा पैटर्न

पक्षाभ-स्तरी मेघ

- आसमान को ढकने वाला पतला, श्वेत आवरण
- सूर्य/चंद्रमा के चारों ओर प्रभामंडल का निर्माण करते हैं

मध्य मेघ

कपासी-मध्य मेघ

- श्वेत या भूरे रंग के धब्बे या परतों का निर्माण करते हैं
- लहरदार रूप

स्तरी-मध्य मेघ

- स्लेटी/ग्रे या ब्लू-ग्रे मेघों का निर्माण
- चक्रवात से पहले आते हैं (निरंतर वर्षा/बर्फबारी)

निम्न मेघ

कपासी मेघ

- चपटे आधार वाले फूले हुए, श्वेत मेघ
- वृहद् चक्रवाती मेघों के रूप में विकसित हो सकते हैं

स्तरी मेघ

- एकसमान परतें, जिससे बादल छाए रहते हैं
- हल्की वर्षा की संभावना रहती है

स्तरी-वर्षा मेघ

- सघन, काले मेघ
- निरंतर वर्षा/बर्फबारी

स्तरी-कपासी मेघ

- निम्न, लम्पी क्लाउड्स, स्तरी एवं कपासी मेघों का मिश्रण।
- हल्की वर्षा की संभावना रहती है

ऊर्ध्वाधर मेघ

कपासी-वर्षा मेघ

- वृहद्, उच्च मेघ
- झंझावत, तड़ित झंझा और तीव्र पवनों से संबंधित

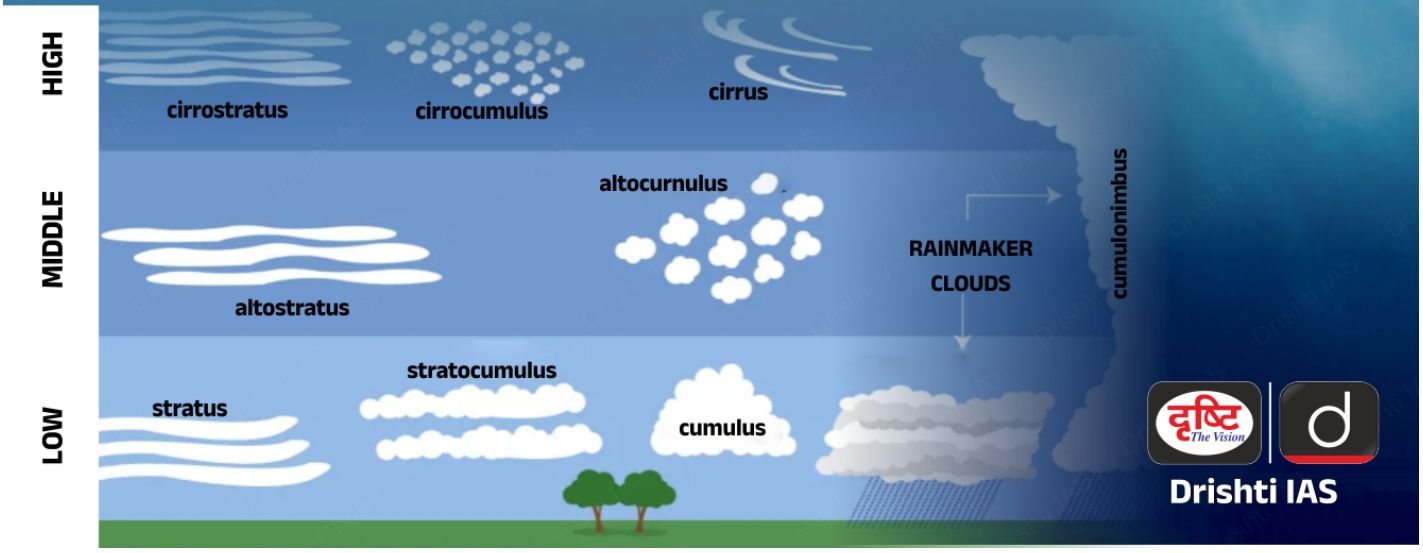

और पढ़ें: वशिाल उपतट मेघ नरि्माण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/types-of-clouds-1